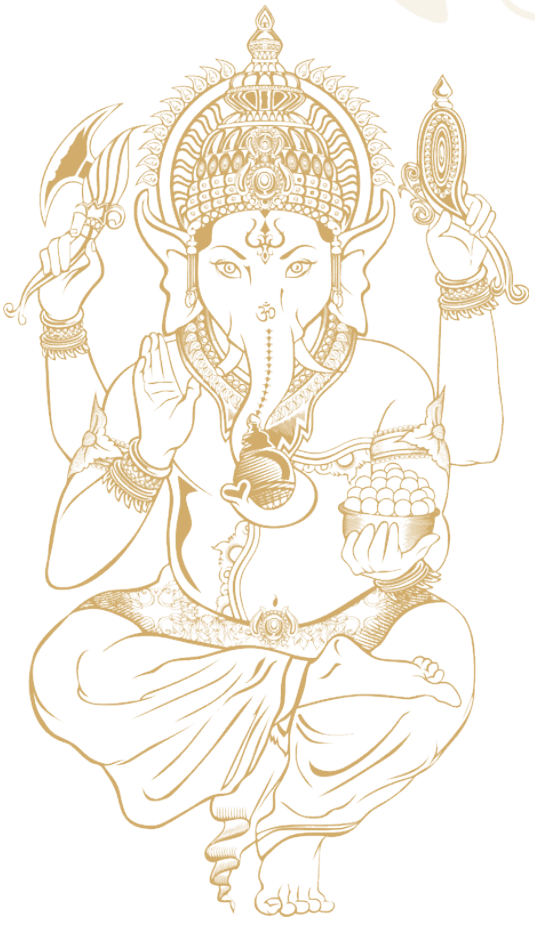

Suyash Jain

Tarishi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121895411

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/04/2000	जन्म तिथि	28/09/2001
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:19:00	जन्म समय	19:25:00 घंटे
घटी 27:31:55	जन्म समय(घटी)	32:49:55 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Bhopal
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:13	सूर्योदय	06:10:50
18:42:01	सूर्यास्त	18:10:26
23:51:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 10मा 22दि		00:52:00	कन्या	लग्न	मेष	07:01:42	मंगल 4वर्ष 7मा 30दि	
शनि		19:11:02	मीन	सूर्य	कन्या	11:37:49	गुरु	
24/02/2015		20:55:13	कुंभ	चंद्र	मक	27:46:47	29/05/2024	
24/02/2034		13:46:15	मेष	मंगल	धनु	17:14:08	29/05/2040	
शनि	27/02/2018	21:52:55	कुंभ	बुध	तुला	05:14:48	गुरु	17/07/2026
बुध	06/11/2020	15:39:21	मेष	गुरु	मिथु	19:52:23	शनि	27/01/2029
केतु	16/12/2021	00:51:22	मीन	शुक्र	सिंह	15:16:38	बुध	05/05/2031
शुक्र	14/02/2025	21:48:56	मेष	शनि व	वृष	21:05:26	केतु	10/04/2032
सूर्य	27/01/2026	07:12:04	कर्क व	राहु व	मिथु	07:48:29	शुक्र	10/12/2034
चन्द्र	29/08/2027	07:12:04	मक व	केतु व	धनु	07:48:29	सूर्य	28/09/2035
मंगल	06/10/2028	25:51:45	मक	हर्ष व	मक	27:27:13	चन्द्र	27/01/2037
राहु	13/08/2031	12:21:55	मक	नेप व	मक	12:13:10	मंगल	03/01/2038
गुरु	24/02/2034	18:57:20	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:00:51	राहु	29/05/2040

लग्न-चलित

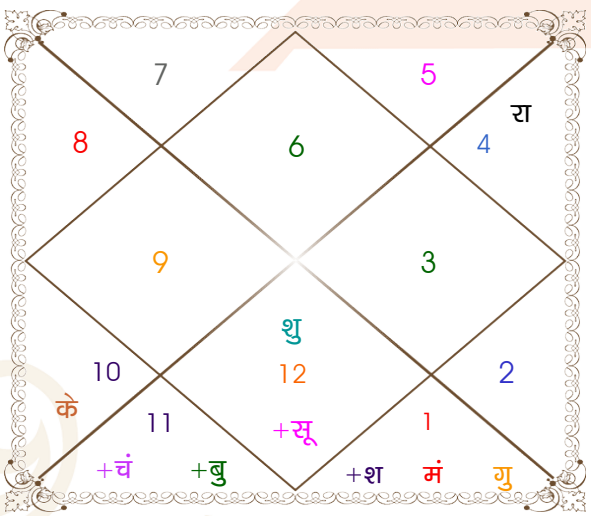

लग्न-चलित

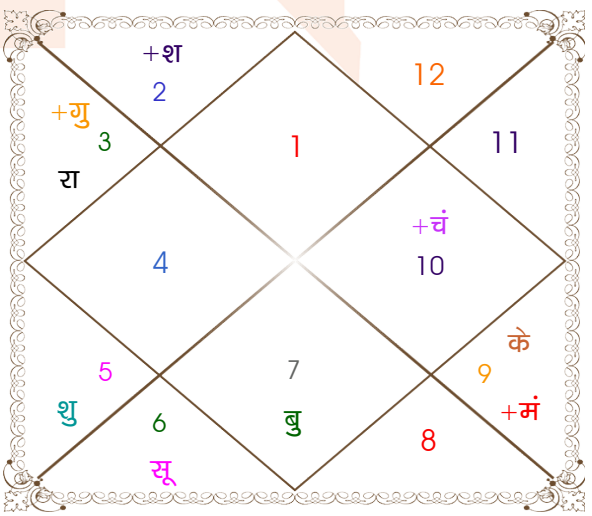

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Suyash Jain का वर्ग मेष है तथा Tarishi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suyash Jain और Tarishi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Suyash Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Suyash Jain कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suyash Jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Tarishi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Tarishi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suyash Jain तथा Tarishi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।